3 (Sem–3/CBCS) HIN–HC 2

2 0 2 3

HINDI

(Honours Core)

Paper : HIN–HC–3026

(भारतीय काव्यशास्त्र)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' —काव्य-लक्षण के संदर्भ में यह कथन किस आचार्य का है?

(ख) 'रसगंगाधर' नामक ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?

(ग) काव्य-प्रयोजन का आशय क्या है?

(घ) वीर रस का स्थायी भाव क्या है?

(ङ) 'कमलासन पर बैठे कमलासन, लगे तपस्या करने' —इस काव्य-पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(च) आचार्य आनंदवर्धन के अनुसार ध्वनि के कितने भेद हैं?

(छ) 'रीतिरात्मा काव्यस्य' —यह किस आचार्य की उक्ति है?

(ज) आचार्य कुंतक ने वक्रोक्ति के कितने भेद माने हैं?

(झ) औचित्य सिद्धांत के प्रवर्तक कौन हैं?

(ञ) ध्वनि सिद्धांत के प्रवर्तन का श्रेय किस आचार्य को दिया जाता है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) किन्हीं दो काव्य-हेतुओं का नामोल्लेख कीजिए।

(ख) 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' —इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) साधारणीकरण से क्या तात्पर्य है?

(घ) उत्प्रेक्षा अलंकार का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) 'रीति' शब्द की व्युत्पत्ति लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) काव्य-लक्षण के संदर्भ में रीतिकालीन कवि केशवदास के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) रीति एवं गुण के अंतर्सम्बन्ध को रेखांकित कीजिए।

(ग) उदाहरण सहित अनुप्रास और श्लेष अलंकार की परिभाषा दीजिए।

(घ) आचार्य रुद्रट द्वारा बताए गए प्रतिभा-संबंधी भेदों का परिचय दीजिए।

(ङ) "रस आनंद है।" स्पष्ट कीजिए।

(च) चित्रकाव्य का सामान्य परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'—आचार्य विश्वनाथ की काव्य-विषयक इस परिभाषा की समीक्षा कीजिए।

अथवा

काव्य-प्रयोजन पर भारतीय विद्वानों के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) काव्य में अलंकारों का महत्त्व निर्धारित कीजिए।

अथवा

रस-निष्पत्ति के संबंध में आचार्य भट्टलोल्लट और आचार्य भट्टनायक के मतों पर आलोकपात कीजिए।

(ग) गुणीभूत व्यंग्य काव्य के उपभेदों पर विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

क्षेमेन्द्र के औचित्य सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

(घ) "वाणी के विलक्षण व्यापार का नाम वक्रोक्ति है।" इस कथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

रीति सिद्धांत का सामान्य परिचय दीजिए।

★★★